<u>जल जीवन मिशन (जेजेएम)</u>

<u>एसीएस की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति (एसएलएसएससी) की बैठक</u>

<u>मेजर प्रोजेक्ट्स में 876 गांवों में 2021 करोड़ रुपये की लागत से एक लाख 47 हजार 'हर घर नल कनेक्शन' की मंजूरी</u>

जयपुर, 09 नवम्बर। जल जीवन मिशन (जेजेएम) अन्तर्गत राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति (एसएलएसएससी) की बैठक अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) श्री सुधांश पंत की अध्यक्षता में मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में मेजर प्रोजेक्ट्स में जेजेएम की 3 नई परियोजनाओं के तहत झालावाड़, कोटा एवं बूंदी के 876 गांवों में 2021.38 करोड़ रुपये की लागत से एक लाख 47 हजार 50 हर घर नल कनेक्शन' की भी स्वीकृति दी गई। इसके अलावा बैठक में बाड़मेर एवं जालोर जिलों के 1929 गांवों में नर्मदा कैनाल पर आधारित पेयजल आपूर्ति परियोजना की डीपीआर तैयार करने के लिए 2 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दी गई।

एसीएस श्री पंत ने बताया कि आज की बैठक के साथ ही अब प्रदेश में जेजेएम के तहत 31 हजार 726 गांवों की 8 हजार 343 ग्रामीण पेयजल परियोजनाओं में 77 लाख 61 हजार से अधिक परिवारों को 'हर घर नल कनेक्शन' की स्वीकृतियां जारी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शेष बचे गांवों में 'हर घर नल कनेक्शन' की बकाया स्वीकृतियों के सम्बंध में एसएलएसएससी की इसी माह तथा अगले महीने एक-एक बैठक और आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। पूरे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की स्वीकृतियां जारी करने का कार्य पूर्ण होने के बाद विभाग द्वारा पूरी तरह 'हर घर नल कनेक्शन' के लक्ष्यों पर फोकस किया जाएगा।

श्री पंत ने बताया कि बैठक में वृहद पेयजल परियोजनाओं के तहत प्रदेश के झालावाड, कोटा एवं बूंदी जिलों में 876 गांवों के लिए 3 स्कीम्स में 2021.38 करोड़ रुपये की लागत से एक लाख 47 हजार 50 'हर घर नल कनेक्शन' के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसमें झालावाड़ जिले में छापी विस्तार पेयजल परियोजना में 121.99 करोड़ रुपये की लागत से 102 गांवों में 11 हजार 734 तथा बूंदी में गरड़ा पेयजल परियोजना के तहत 238.25 करोड़ रुपये की लागत से 110 गांवों में 22 हजार 29 तथा कोटा एवं बूंदी में नौनेरा पेयजल परियोजना के तहत 664 गांवों में 1661.14 करोड़ रुपये की लागत से एक लाख 13 हजार 287 'हर घर नल कनेक्शन' दिए जाएंगे।

बैठक में वीसी के माध्यम से भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के अलावा जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक डॉ. पृथ्वीराज, मुख्य अभियंता (जेजेएम) श्री दिनेश कुमार गोयल, मुख्य अभियंता (विशेष प्रोजेक्ट्स) श्री दलीप कुमार गौड़, मुख्य अभियंता (तकनीकी) श्री संदीप शर्मा, मुख्य अभियंता (जोधपुर) श्री नीरज माथुर, वित्तीय सलाहकार सुश्री कोमल आगरी, डब्ल्यूएसएसओ के निदेशक श्री हुक्मचंद वर्मा तथा अतिरिक्त मुख्य अभियंता (ग्रामीण) श्री देवराज सोलंकी सहित सम्बंधित रीजन के अतिरिक्त मुख्य अभियंता भी जुड़े।